फर्जी कम्पनी बनाकर 3000 से भी ज्यादा लोगों के साथ करोड़ों की ठगी

इनामी ड्रॉ खोलने का झांसा देकर ठगी करके कंपनी का मालिक परिवार सहित फरार

पुष्कर, (निसं)। धार्मिक नगरी पुष्कर में बीते कुछ सालों से फर्जी कंपनियों की आड़ में लाखो रुपयों के इनामी लक्की ड्रॉ खोले जाने का झांसा देकर हजारों लोगों से हर महीने लाखों करोड़ों रुपये इकट्ठे करने का गोरखधंधा चल रहा है।

ऐसा ही एक मामला हरि ॐ एंटरप्राइजेज के नाम से तीन साल पहले एक फर्जी कम्पनी बनाकर 3000 से भी ज्यादा लोगों के साथ करोड़ों रुपयों की ठगी करने का मामला उजागर हुआ है। जिसके पश्चात पुष्कर सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों में खलबली मच गई। मामला उजागर होने के बाद पीड़ित रामचन्द्र चौहान, कल्याण सिंह, महेश पाराशर, पंकज, भागूराम सहित कई लोगों सामूहिक की रिपोर्ट पर पुष्कर पुलिस ने ठगी के आरोपी गोपाल उदय सहित इसके परिवारजनों के खिलाफ जालसाजी और धोखाधड़ी करने का मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

ठगी के शिकार हुए पीड़ित रामचन्द्र चौहान ने पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया कि गोपाल पुत्र मांगीलाल उदय विगत 15 अक्टूबर 2020 को मेरे घर आया और मुझे हरि ॐ एंटरप्राइजेज कम्पनी बनाकर उसमें अगले 30 महीनों तक हर माह 1000 रुपये जमा करवाने की बात कही। साथ ही कम्पनी के द्वारा हर महीने उसके हजारों लाखों रुपये के इनाम भी लक्की ड्रॉ स्किम के तहत बांटे जाने की जानकारी दी।

जिसके झांसे में आकर ना सिर्फ रामचंद्र ने बल्कि उसके मिलने वाले कई लोगों ने गोपाल उदय से जुड़कर हर महीने पैसे जमा करवाने शुरू कर दिए। अकेले रामचंद्र के मिलने वाले 23 लोगों ने ही ढाई साल के दौरान साढ़े सात लाख रुपये जमा करवा दिए। जानकारी के अनुसार इस स्कीम में पुष्कर सहित आसपास के इलाके के रहने वाले तीन हजार से ज्यादा लोगो ने 30-30 हजार रुपये गोपाल उदय के शौरूम पर जाकर जमा करवाये थे। जिसको जोड़ा जाए तो मामला 9 से 10 करोड़ रुपयों की ठगी का होता है।

पुष्कर हॉस्पिटल के सामने स्थित ऑफिस पर अब ताला लगा हुआ है। जानकारी में आया कि विगत 15 दिनों पूर्व ही आरोपी गोपाल उदय ऑफिस में ताला लगाकर परिवार सहित कहीं फरार हो गया है। गोपाल उदय सहित उसकी पत्नी नीरू, भतीजा जीतू एवं लक्की सहित अन्य परिवार जनों के मोबाइल फोन भी स्विच ऑफ कर दिए गए हैं। बीते 15 दिनों से अपने पैसे वापस लेने के लिए चक्कर लगा रहे हजारों पीड़ित लोग परेशान हो रहे हैं और अब अपने आपको ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। यही वजह है कि थक हारकर परेशान होने का बाद आज एक पीड़ित रामचन्द्र चौहान ने पुष्कर थाने पहुंचकर उसके साथ ठगी किये जाने का मामला दर्ज करवाया है।

'दुर्घटना में एयर बैग नहीं खुलना मैन्युफैक्चरिंग डिफैक्ट'

राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने यह कहते हुए एक प्रतिष्ठित कार कम्पनी को 20 लाख रू. मुआवजा देने का आदेश दिया

जोधपुर, 22 जून (कासं)। कार चलाते समय सीट बैल्ट लगे होने के बावजूद दुर्घटना में एयरबैग नहीं खुलने पर चालक की मौत को कार में उत्पादकीय त्रुटि मानते हुए राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के अध्यक्ष देवेंद्र कच्छवाहा और सदस्य निर्मल सिंह मेडतवाल व लियाकत अली ने परिवाद मंजूर करते हुए देश की नामी निर्माता कम्पनी को आदेश दिया है कि, परिवादी को 45 दिवस में मुआवजा 20 लाख रुपए, मानसिक संताप के लिए 50 हजार रूपए और परिवाद व्यय 50 हजार रूपए अदा करें।

■ **जोधपुर निवासी नीतू ने दुर्घटना में कार के एयर बैग नहीं खुलने से हुई अपने पति की मृत्यु के लिए कार निर्माता कम्पनी को जिम्मेदार ठहराते हुए राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में केस दर्ज किया था।**

जोधपुर निवासा नीतू ने अधिवक्ता अनिल भंडारी के माध्यम से परिवाद दायर कर कहा कि, उनके पति वीरेंद्र सिंह ने 2 मई 2012 को करीब दस लाख रुपए की कार खरीदी, जिसमें एयरबैग भी लगे हुए थे।उन्होंने कहा कि, 27 दिसंबर 2012 को उनके पति सीट बैल्ट लगाकर जोधपुर से 3 अन्य व्यक्तियों के साथ जा रहे थे, नागौर में अज्ञात वाहन से दुर्घटना होने के कारण उनकी कार सडक किनारे लगे हुए लोहे के साइन बोर्ड से टकराई और दो तीन बार पलटी भी खाई, दुर्घटना में चारों की मौके पर ही मृत्यु हो गई। अधिवक्ता भंडारी ने बहस करते हुए कहा कि, बाकी तीनों के परिजनों ने मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण में दावा किया है, लेकिन वीरेंद्र सिंह, जो कि स्वयं ही कार चला रहे थे और सीट बैल्ट लगी होने के बावजूद कार के एयरबैग नहीं खुले जिससे उनका भी निधन हो गया। इसलिए एयरबैग नहीं खुलना उत्पादकीय त्रुटि है और इसके लिए कार निर्माता पूर्णतया जवाबदेह और जिम्मेदार है, क्योंकि एयरबैग खुलने की दशा में परिवादी के पति की जान बच सकती थी।

दोनों पक्षों के तर्क सुनने के बाद राज्य आयोग ने परिवाद मंजूर करते हुए कहा कि, यह निर्विवाद है कि दुर्घटना में 40 वर्षीय कार चालक की मृत्यु एयरबैग नहीं खुलने से हुई है और बीमा कंपनी ने कार की क्षति टोटल लॉस मानते हुए कार का दावा अदा किया है और कार का आगे का हिस्सा भी काफी क्षतिग्रस्त हुआ है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के समय कार चालक के सीट बेल्ट लगे होने पर भी एयरबैग नहीं खुलना निश्चित तौर कार की उत्पादकीय त्रुटि है और अतिसूक्ष्म व जटिल तकनीकी आधार पर परिवाद को खारिज नहीं किया जा सकता है। आयोग ने परिवाद मंजूर करते हुए कार निर्माता कंपनी को निर्देश दिया कि 45 दिवस में आय की क्षति के 20 लाख रुपए, मानसिक संताप के 50 हजार रुपए और परिवाद व्यय के 50 हजार रुपए, कुल 21 लाख रुपए में से परिवादी को 15 लाख रुपए, मृतक के दोनों पुत्रों को दो दो लाख रुपए और माता पिता को एक एक लाख रुपए अदा करें।

दीवार का हिस्सा गिरने से ज़ायरीन घायल

अजमेर, (कासं)। दरगाह कमेटी द्वारा दरगाह परिसर में 59 हुजरा की छत पर दीवार का निर्माण कराया जा रहा है। बरसात के मौसम में दीवार का निर्माण उस वक्त भारी पड़ गया, जब देर रात दीवार का कुछ हिस्सा अचानक एक ज़ायरीन पर गिर गया। मलबा गिरने से ज़ायरीन के सिर में गंभीर चोट आई है जिसकी वजह वो लहूलुहान हो गया। दरगाह कमेटी कर्मचारी ने घायल ज़ायरीन को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार चल रहा है। खादिम सैयद महेराज चिश्ती ने बताया कि दरगाह कमेटी को 4 बार शिकायत दी हैं उसके बाद भी दरगाह कमेटी ने अब तक कोई काम किया हैं आज भी दरगाह परिसर की कई दीवारे, छत, जर्जर, पिल्लर अव्यवस्था में हैं। ख़ादिम ने कहा कि ख़्वाजा साहब की दरगाह में हर समय जायरीन की भीड़ रहती है।

तस्कर को 13 वर्ष का कारावास

हिण्डौन सिटी, (निसं)। करौली जिले में बढ़ते नशे के कारोबार की रोकथाम के लिए अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश क्रम संख्या 1 हिण्डौन सिटी सीताराम मीणा ने वर्ष 2020 के एक प्रकरण में सजा सुनाते हुए टोडाभीम निवासी नशीली दवाओं के एक तस्कर को 13 वर्ष के कठोर कारावास एवम 1.5 लाख के अर्थदण्ड से दण्डित किया है।

अपर लोक अभियोजक दिनेश चंद शर्मा ने बताया कि टोडाभीम थाना प्रभारी मनोहर लाल मीणा ने एक मुकदमा 402/2020 टोडाभीम थाने पर दर्ज कराया । जिसमे गश्त के दौरान नाहरकोटा मोड़ पर एक संदिग्ध व्यक्ति एक कट्टे के साथ मिला जो कि पुलिस जाब्ते को देखकर भागने लगा। जिस पर शक होने पर पुलिस द्वारा घेराबंदी कर पकड़ा गया और उसके पास कट्टे की तलाशी ली गई तो उसमें विभिन्न कंपनियों की सैकड़ों की संख्या में नशीली टेबलेट और सीरप मिले। जिनको रखने के लिए उक्त व्यक्ति के पास कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला। व्यक्ति को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। मामले में विचारन के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से कुल 13 गवाह के बयान लेकर किए गए और कुल 51 दस्तावेज प्रदर्श किए गए। मामले में सुनवाई के बाद मुलजिम मुकेश कुमार सैनी पुत्र चतरू राम सैनी निवासी हाई स्कूल के पास काजीपाड़ा टोडाभीम पर आरोप साबित होने पर न्यायालय द्वारा कठोर कारावास एवं अर्थदंड एवं जुर्माना जमा नहीं कराने की दशा में 6 माह के अतिरिक्त कारावास से दंडित किया है।

गैंगरेप-हत्या मामला : फरार दोनों पुलिसकर्मी निलंबित

बीकानेर, (निसं)। दलित युवती से गैंगरेप और हत्या के मामले में जांच एएसपी ग्रामीण दीपक शर्मा को सौंपी गई है। जानकारी के अनुसार जब पिता इसकी शिकायत करने थाने गए तो मामला दर्ज करने की बजाय उन्हें धमकाया गया और थाने में बैठाकर रखा। मामला बीकानेर के खाजूवाला थाना क्षेत्र का है। यहां युवती का शव मिला था। युवती के पिता ने इस संबंध में खाजूवाला थाने के कॉन्स्टेबल मनोज और भागीरथ के साथ एक और युवक पर रेप व हत्या का मामला दर्ज करवाया है।

इधर, मुख्य आरोपी दिनेश विश्नोई पिछले 10-15 दिन से युवती को परेशान कर रहा था। रेप और हत्या से कुछ दिन पहले ही ट्रांसफर हुए सीआई अरविन्द सिंह शेखावत पर भी अब इस केस में लापरवाही के आरोप लग रहे हैं। युवती अपने गांव से कम्प्यूटर कोर्स करने रोज सुबह कोचिंग सेंटर पर आती थी। आरोपी उसका पीछा करता था। उसने कोचिंग सेंटर और घर पर यह बात बताई। उसके बाद भाभी के साथ आने लगी, पर आरोपी बाज नहीं आया। युवती के भाई ने बताया कि थाने के सिपाही मनोज व भागीरथ भी आरोपी के साथ होते थे। सीआई से शिकायत भी की लेकिन कार्रवाई नहीं हुई।

तब ही आरोपियों पर कार्रवाई कर दी जाती तो उसकी बहन आज जिंदा होती। अब एसपी व आईजी से सख्त कार्रवाई की मांग की है। युवती के पिता की रिपोर्ट पर कॉन्स्टेबल मनोज, भागीरथ सहित दिनेश विश्नोई व दो-तीन अन्य पर केस दर्ज हुआ है। दोनों पुलिसकर्मी निलंबित कर दिए गए। जांच एएसपी ग्रामीण दीपक शर्मा करेंगे।

दिनेश विश्नोई का थाने में नियमित रूप से आना जाना था। सीआई अरविन्द सिंह के ट्रांसफर होने पर विदाई पार्टी में भी दिनेश शामिल था। सीआई को फूल देते का उसका फोटो भी सामने आया है। इतना ही नहीं पुलिस की गाड़ी में बैठकर दिनेश ने कई बार फोटो भी खिंचवाए। ये फोटो भी अब सामने आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि दिनेश के साथ खाजूवाला थाने के कॉन्स्टेबल मनोज और भागीरथ भी उस कमरे में मौजूद थे, जहां दलित युवती का पहले रेप हुआ और बाद में हत्या कर दी गई। ये दोनों कॉन्स्टेबल ही उसे खाजूवाला के सरकारी अस्पताल लेकर आए, यहां भर्ती कराया और बाद में फरार हो गए। जो अब तक पकड़े नहीं गए हैं। पीड़ित पक्ष को 10 लाख रु. सरकारी सहायता व 15 लाख जन सहयोग से दी जाएगी। थाने के पूर्व सीआई सहित अन्य पुलिसकर्मियों की भूमिका की जांच प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी को सौंपी गई है।

आईजी ओमप्रकाश ने बताया कि बीकानेर एसपी को निर्देश दिया है कि दोनों पुलिस कर्मियों की भूमिका की जांच करके उन्हें बर्खास्त किया जाए। युवती से गैंगरेप एक किराए के मकान में हुआ। एफएसएल टीम ने वहां से सबूत जुटाए हैं। बेड पर युवती का खून मिला है। यह मकान दिनेश के दोस्त जस्सा ने किराए पर लिया हुआ था। जबकि दोनों युवक खाजूवाला के हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इस मकान में पुलिसवाले भी आते-जाते थे।

बाड़मेर, चौहटन और सांचोर पहुंचे डॉ. सतीश पूनियां, बिपरजॉय तूफान से प्रभावित क्षेत्रों का जमीनी दौरा किया

मुख्यमंत्री ने हवाई सर्वे किया, अब जमीनी सर्वे भी कर लें : डॉ. सतीश पूनियां

जयपुर, बाडमेर, जालोर। बिपरजॉय तूफान से प्रभावित क्षेत्रों का जमीनी दौरा करने गुरुवार को राजस्थान विधानसभा उपनेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां दिनभर बाड़मेर और जालोर जिलों के प्रवास पर रहे, जहां उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों का जमीनी दौरा कर बिपरजॉय तूफान से प्रभावित जमीनी हालात की पीड़ित लोगों से मुलाकात कर जानकारी ली।

डॉ. सतीश पूनियां ने बाड़मेर जिले में चौहटन, गंगासरा, बावतलाई और जालोर जिले में वेडिया, सूथडी, खासरवी, सरवाना, सांचौर में बिपरजॉय तूफान से प्रभावित क्षेत्रों का जमीनी दौरा कर मकान, जनहानि और पशुधन के नुकसान की जानकारी ली। उन्होंने सांचौर विधानसभा के नेहड क्षेत्र के वेडिया गांव से जालोर जिले में प्रवेश कर, विधानसभा के सूंथडी और खासरवी गांव में बाढ़ से प्रभावित गौशालाओं का निरीक्षण किया तथा केसुरी गांव में बाढ़ से पीड़ित परिवारों के घरों में जाकर संभाल ली। सरवाना गांव में किसान बंधुओ से भेंट कर उनकी समस्याओं को सुना तथा सांचोर शहर के व्यापारी बंधुओ से भी भेंट कर बाढ़ में हुए व्यापारिक नुकसान की जानकारी ली।

उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि, बिपरजॉय तूफान से बाड़मेर, जालौर, पाली, सिरोही, जोधपुर इत्यादि जिलों में कच्चे झोंपड़ों से लेकर मकानों तक कई जगह जनहानि हुई है। मैंने कल मुख्यमंत्री का ट्वीट देखा, श्रीमान हेलिकॉप्टर में बिराजे थे, आसमान से जमीन की तरफ देख रहे थे। ट्वीट में लिखा था कि, मकान डूबे हैं, उम्मीदें नहीं डूबने दूंगा, मैंने उनके ट्वीट पर लिखा कि कांग्रेस शासन में मकान भी डूब गये और अवाम की उम्मीदें भी डूब गई। लेकिन बिपरजॉय तूफान के कारण राजस्थान के विभिन्न अंचलों में बाड़मेर, पाली, जालोर, सिरोही, जोधपुर और अजमेर में जिस तरीके के हालात बने हैं, उससे एक बात तो स्पष्ट हो गई कि क्योंकि जब इस तरीके से कोई प्राकृतिक आपदा आती है तो लोग कहते हैं कि रामजी की मर्जी है, लेकिन जब लोग निराश होते हैं तो लोग कहते हैं कि रामजी रूठ गये और राज भी रूठ गया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने हवाई सर्वे तो किया लेकिन उस हवाई सर्वे में बाढ़ में डूबे लोगों के आंसू नहीं दिखे होंगे और जिस तरीके से लीपापोती की, सियासी बयान दिये, उससे बाढ़ राहत भी महंगाई राहत की तरह खोखली साबित हो गई। यह बात ठीक है कि यह प्राकृतिक आपदा है, पर अब समय विज्ञान और तरक्की का है, पूर्वानुमान बहुत पहले से आ जाते हैं, मेघालय से भी ज्यादा उसके समकक्ष 300 मिलीमीटर से भी ज्यादा बारिश प्रदेश में कई स्थानों पर हुई। एक अनुमान है कि 10 हजार मकानों से लेकर 50 हजार कच्चे झोंपड़ों से लेकर, मवेशियों से लेकर और तालाब में डूबने से जनहानि हुई है। अशोक गहलोत ने जो बयान दिये उसमें कहीं लगा ही नहीं कि उनको कोई संवेदना है और ना ही राज्य सरकार ने तत्परता से कोई काम किया। हेलिकॉप्टर का दौरा तो सामान्य रूप से कोई भी कर सकता है, लेकिन क्या उस अंतिम व्यक्ति तक रिलीफ पहुंची है क्या?

भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां ने सांचोर में बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों का दौरा किया।

उन्होंने कहा कि कई जगह से यह जानकारी मिल रही है कि कई-कई दिनों तक पानी है, जिससे बीमारियां फैलने का अंदेशा है, कई लोगों तक भोजन और रसद की डिलीवर नहीं पहुंची है। जिनके मकान क्षतिग्रस्त हो गये, उनका आकलन होकर रिलीफ नहीं पहुंची है, इससे स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री ने सिर्फ हवाई दौरा किया है, मैंने उनके ट्वीट पर लिखा कि मकान भी डूब गये और अवाम की उम्मीदें भी डूब गईं। मुझे जो जानकारी मिली है कि भाजपा के कार्यकर्ताओं ने चौहटन, सांचोर, पाली और उसके आस-पास के क्षेत्रों में प्रयास करके लोगों को रिलीफ देने की कोशिश की है। जो इस पूरे दौरे के दौरान जो चीजें मेरे ध्यान में आएंगी, उस आधार मैं राज्य सरकार को भी कुछ सुझाव दूंगा, लेकिन प्राथमिक तौर पर सुझाव है कि आपदा प्रबंधन को अब जीवन और पाठयक्रम का हिस्सा बनाया जाये, कामकाज और प्रशासन एवं सरकार का हिस्सा बनाया जाये, ताकि भविष्य में जब किसी तरीके की कोई आपदा आती है तो उसके लिये बहुत पहले से हम तैयार हो जाये।

पूनिया ने मुख्यमंत्री से मांग कि की अच्छा है कि उन्होंने हवाई सर्वे किया है, लेकिन थोड़ा जमीनी सर्वे भी कर लें, सरकारी मशीनरी को ठीक से लगायें और केवल इतना ही नहीं, अभी भी जिन क्षेत्रों में पानी भरा है, जहां से बीमारियों के फैलने का अंदेशा है, जिनके आशियाने उजड़ गये, जिनको भोजन और राशन की आवश्यकता है, तत्काल उपाय करें। क्योंकि मेरी जानकारी में चौहटन से लेकर सांचोर तक अभी तक मुख्यमंत्री की हवाई सर्वेक्षण के अलावा कोई तत्परता मुझे दिखी नहीं है।

■ **'भाजपा कार्यकर्ताओं ने बाड़मेर, चौहटन, पाली से लेकर सांचोर तक लोगों को रिलीफ देने की कोशिश की'**

इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष श्रवणसिंह राव बोरली, रानीवाडा विधायक नारायणसिंह देवल, पूर्व जिला प्रमुख वन्नेसिंह गोहिल भाजपा नेता दानाराम चौधरी, सांवलाराम देवासी, महेन्द्र चौधरी, चौथाराम कोली, प्रवीण माली, हनुमान प्रसाद भादू, नरिंगाराम पटेल निम्बावास, मोतीराम चौधरी भारताराम चौधरी, मफाराम माली, अर्जुन माली, तेजपालसिंह चारण, मुकेश सिंह चारण, हंजारीमल ऐचरा सहित कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता, मौजूद रहे।

31 लाख की लूट की घटना का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

घटना का मुख्य आरोपी उधार देने वाले व्यापारी का नौकर ही निकला

कोटा, (निसं)। शहर में बुधवार को हुई 31 लाख रुपए की लूट के मामले में पुलिस ने घटना के 24 घंटे पहले ही मामले का खुलासा कर दिया है। साथ ही इस वारदात में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जिन्होंने इस लूट की वारदात को अंजाम दिया था। साथ ही अन्य आरोपियों के संबंध में पड़ताल आरोपियों से की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपियों में घटना का मुख्य आरोपी उधार देने वाले व्यापारी का नौकर ही निकला है पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश करेगी जहां से उनकी रिमांड मांगेगी रिमांड मिलने पर उससे अन्य आरोपियों के संबंध में भी पड़ताल करेगी। कोटा शहर के एसपी शरद चौधरी ने बताया कि बैग में रुपए लेकर जितेंद्र मेहता सिंधी कॉलोनी रावतभाटा रोड स्थित जिंदल सेल्स से निकला था। जिसे दुकान से चंद मिनट की दूरी पर ही कुछ लोगों ने पीछे से आकर चाकुओं से हमलाकर बैग छीनकर फरार हो गए थे।

इस मामले में कोटा शहर पुलिस पूरी मुस्तैदी से जांच में जुट गई थी।

कोटा पुलिस ने 31 लाख रुपये की लूट करने के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

घटना के तथ्यों के अनुसार पुलिस अधिकारियों और साइबर सेल की टीम ने तकनीकी अनुसंधान के बाद दो आरोपियों को नामजद कर गिरफ्तार किया है। इनमें कंसुआ शिव मंदिर के नजदीक रहने वाला विष्णु प्रजापत और उड़िया बस्ती संजय नगर निवासी इनायत हुसैन शामिल था। पुलिस ने इनायत हुसैन से 2.15 लाख रुपए भी बरामद कर लिए हैं। जबकि अन्य राशि के बारे में पड़ताल की जा रही है। एसपी चौधरी ने बताया कि मुख्य आरोपी विष्णु प्रजापत, जिंदल सेल्स की दुकान पर ही काम करता है जिसे यह भी जानकारी थी कि उसके मालिक नितेश जिंदल से लोग राशि उधार लेकर जाते हैं। साथ ही इस राशि को एक-दो दिन में वापस लौटाकर भी जाते हैं।

इसी संबंध में सेठ नितेश जिंदल दिल्ली गए हुए थे और बुधवार को ही राशि कोई व्यक्ति को देनी थी। ऐसे में उसने पहले से ही इस राशि की लूट की योजना इरफान नाम के व्यक्ति के साथ मिलकर बना ली थी। साथ ही इस मामले में जितेंद्र के दुकान पर आने के समय इरफान को उसने सूचना भी दे दी थी। इस वारदात को अंजाम देने के लिए इरफान ने पूरी गैंग बना ली थी। जिसमें 5 से आदमी शामिल थे। जितेंद्र के दुकान से बाहर निकलने पर ही चाकू और बंदूक की नोक पर पैसा छीन लिया गया। इसमें जितेंद्र को चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल भी कर दिया गया था। इनमें इरफान और अन्य लोग शामिल हैं। जिनके संबंध में पड़ताल की जा रही है। साथ ही लूट की शेष राशि वारदात में प्रयुक्त वाहन और हथियार बरामदगी के प्रयास पुलिस कर रही है।

बेरोजगार युवाओं के साथ सरकार कर रही छलावा : देवनानी

'कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को सरकारी खर्च पर बनाया जायेगा प्रेरक'

अजमेर, (कासं)। पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री और अजमेर उत्तर विधायक वासुदेव देवनानी ने राज्य सरकार की और से 50 हजार महात्मा गांधी सेवा प्रेरकों की नियुक्ति पर सवाल खड़े करते हुए आरोप लगाया कि चुनावी साल में इन नियुक्तियों के जरिए सरकार कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को सरकारी खर्च पर अपना प्रचार- प्रसार करवाने का जिम्मा सौंपने जा रही है।

देवनानी ने कहा कि सरकार बेरोजगार युवाओं के साथ छलावा कर रही है। देवनानी ने महात्मा गांधी सेवा प्रेरको की नियुक्ति और उनके कार्यकाल अवधि पर भी सवाल खड़े किए और कहा कि सरकार को अगर वाकई में बेरोजगारों की चिंता होती तो इन प्रेरकों का कार्यकाल महज एक वर्ष का ही क्यों रखा गया। साथ ही महज 4500 रुपए मासिक मानदेय दिया जाएगा। इससे स्पष्ट होता है कि सरकार की मंशा बेरोजगारों को राहत देने की जगह अपने कार्यकर्ताओं को चुनावी साल में सरकारी खर्च पर उपकृत करना है। देवनानी ने आरोप लगाया कि चयनित प्रेरकों को गांधी दर्शन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रशिक्षित किया जायेगा जहां खुद कांग्रेसी कार्यकर्ता पहले से बैठे हुए है।

देवनानी ने कहा कि बीते साढ़े चार साल में 18 भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हो चुके हैं। आरपीएससी और अधिनस्थ बोर्ड की कार्यप्रणाली भी सवालों के घेरे में है। पेपर लीक कांड में आरपीएससी का सदस्य को गिरफ्तार होना चिंताजनक विषय है। सदस्य द्वारा करोड़ों रुपए लेकर, पेपर लीक सरगनाओं को पेपर बेचा गया। जांच के नाम पर कांग्रेस सरकार के द्वारा लीपापोती होती है। सरकार बेरोजगारों के मुद्दे पर कतई संवदेनशील नहीं है। भर्ती परीक्षाएं समय पर पूरी नहीं हो रही जिसके चलते कई युवा ओवरएज हो रहे है। भर्ती परीक्षाओं को पूरा होने में औसतन दो से तीन साल लग रहे हैं। पेपर लीक से लेकर प्रश्नों पर विवाद और कोर्ट में लंबित मामलों के चलते प्रदेश का युवा बेरोजगार वर्ग हताशा और निराशा में डूबता जा रहा है।

नशा तस्कर को भेजा जेल

हनुमानगढ़, (निसं)। 10 ग्राम हेरोइन बरामदगी के मामले में गिरफ्तार युवक को कोर्ट ने जेल भेज दिया है। जंक्शन पुलिस की ओर से 10 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किए गए शाकिर हुसैन (34) पुत्र मोहम्मद अब्बास जोइया निवासी वार्ड 11, जंडावाली पीएस सदर को टाउन पुलिस ने बुधवार को कोर्ट में पेश कर एक दिन का पीसी रिमांड मंजूर करवाई थी। जंक्शन पुलिस थाना प्रभारी नरेश गेरा के नेतृत्व में पुलिस टीम रात को गश्त कर रही थी। गश्त के दौरान पुलिस टीम रीको इंडस्ट्रीयल एरिया फेज 2 में पहुंची तो एक युवक की गतिविधियां संदिग्ध लगी। शक होने पर पुलिस ने तलाशी ली तो युवक के कब्जे से 10 ग्राम हेरोइन मिली थी। पुलिस ने हेरोइन बरामद कर मौके से शाकिर हुसैन को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी युवक के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच टाउन पुलिस को सौंपी है।